CONTENTS

INDEX

TITLE	Page(s)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक नई और दूरदर्शी दृष्टि पर एक अध्ययन – **मीनू सचदेवा, डॉ. शिवपाल सिंह**	**02**
हिन्दी भाषा एवं संस्कृति का नई शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में अध्ययन –**विनीत कुमार आर्य, डा0 रामबाबू सिंह, डॉ0 मीनाक्षी द्विवेदी**	**16**
शिक्षा नीति **2020:** संवैधानिक प्रावधानों पर अध्ययन – **शिवानी जैन**	**22**
शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका - **पूजा रानी**	**28**
शिक्षक शिक्षा और शिक्षक दक्षताओ को पेशेवर बनाना - **श्री मन्दीप कुमार**	**33**

DVSIJMR
ISSN NO 2454-7522

DVS International Journal of Multi-Disciplinary Research ISSN NO 2454-7522
Vol: 8, ISSUE: 1, No: 29 July – September, 2022

शिक्षक शिक्षा और शिक्षक दक्षताओ को पेशेवर बनाना

श्री मन्दीप कुमार
सहायक प्राध्यपक
दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मेरठ (उत्तरप्रदेश)

सारांश

पेशेवर जवाबदेह शिक्षक छात्र के सामंजस्यपूर्ण विकास, समुदाय, उसके पेशे, मानवता और राष्ट्रीय विकास से संबंधित है। पेशेवर रूप से जवाबदेह शिक्षकों की कुछ विशेषताएं समर्पित हैं और उनमें धैर्य है। शिक्षक शिक्षा एक वैश्विक पेशा है जिसे ठीक से समझने की जरूरत है। पेशे के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को आज के रूप में समझना, निकट भविष्य में इसके बारे में धारणा बनाना और सर्वोत्तम सोच का उपयोग करना आवश्यक है। शिक्षक शिक्षकों की योग्यताएँ: ज्ञान का व्यवस्थित निकाय, अध्ययन और प्रशिक्षण, स्वायत्तता, स्व-संगठन और प्रौद्योगिकी वैश्विक परिदृश्य के साथ उन्नत शिक्षण। वे पेशेवर ज्ञान और कौशल और अद्वितीय शैक्षिक और जीवन के अनुभवों की खेती करते हैं। शिक्षकों के लिए सेवाकालीन सतत व्यावसायिक विकास जारी रहना चाहिए।

मुख्य शब्द: शिक्षक शिक्षा, वैश्विक व्यवसाय, शिक्षक शिक्षा का व्यवसायीकरण, शिक्षण योग्यता

प्रस्तावना

शिक्षक शिक्षा एक वैश्विक पेशा है जिसे ठीक से समझने की आवश्यकता है। आज के पेशे के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझना, निकट भविष्य में इसके बारे में धारणा बनाना और वर्तमान समय में उपलब्ध सर्वोत्तम सोच और निर्देशात्मक मॉडल का उपयोग करना आवश्यक है। पेशेवर जवाबदेह शिक्षक छात्र के सामंजस्यपूर्ण विकास, समुदाय, उसके पेशे, मानवता और राष्ट्रीय विकास से संबंधित है। पेशेवर रूप से जवाबदेह शिक्षकों की कुछ विशेषताएं समर्पित हैं और उनमें धैर्य है। शिक्षक व्यावसायीकरण: हाल के वर्षों में शिक्षकों की स्थिति, प्रशिक्षण और काम करने की स्थिति को उन्नत करने के आंदोलन ने बहुत रुचि प्राप्त की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) ने कहा, "शिक्षक शिक्षा की मौजूदा प्रणाली में बदलाव या सुधार की जरूरत है।" NEP(2020) ने कहा "शिक्षक शिक्षा स्कूली शिक्षकों का एक पूल बनाने में महत्वपूर्ण है जो अगली पीढ़ी को आकार देगा। शिक्षक की तैयारी एक ऐसी गतिविधि है जिसके लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण और ज्ञान की आवश्यकता होती है, स्वभाव और मूल्यों का निर्माण, और सर्वोत्तम आकाओं के तहत अभ्यास का विकास होता है। शिक्षकों को भारतीय मूल्यों, भाषाओं, ज्ञान, लोकाचार और परंपराओं सहित आदिवासी परंपराओं पर आधारित होना चाहिए, साथ ही शिक्षा और शिक्षाशास्त्र में नवीनतम प्रगति से भी वाकिफ होना चाहिए। शिक्षा विभाग में फैकल्टी प्रोफाइल का उद्देश्य अनिवार्य रूप से विविध होना होगा, लेकिन शिक्षण/क्षेत्र/अनुसंधान

के अनुभव को अत्यधिक महत्व दिया जाएगा। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में प्रशिक्षण के साथ संकाय जो सीधे स्कूली शिक्षा के लिए प्रासंगिक हैं जैसे, मनोविज्ञान, बाल विकास, भाषा विज्ञान, समाजशास्त्र, दर्शन, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान के साथ-साथ विज्ञान शिक्षा, गणित शिक्षा, सामाजिक विज्ञान शिक्षा और भाषा शिक्षा से। शिक्षकों की बहु-विषयक शिक्षा को मजबूत करने और वैचारिक विकास में कठोरता प्रदान करने के लिए शिक्षक शिक्षा संस्थानों में कार्यक्रमों को आकर्षित और बनाए रखा जाएगा। कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए सेवाकालीन निरंतर व्यावसायिक विकास मौजूदा संस्थागत व्यवस्थाओं और चल रही पहलों के माध्यम से जारी रहेगा; गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समृद्ध शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन्हें मजबूत और पर्याप्त रूप से विस्तारित किया जाएगा।

शिक्षक प्रशिक्षकों की दक्षताए

- **ज्ञान का व्यवस्थित निकाय:** शिक्षण पेशा ज्ञान के एक व्यवस्थित निकाय पर आधारित होता है जो जीवन के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों से प्राप्त होता है। यह किसी समाज की धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताओं से भी प्रभावित होता है।

- **अध्ययन और प्रशिक्षण:** अध्यापन एक वर्ष में नहीं सीखा जा सकता है। इस पेशे को अपनाने के इच्छुक व्यक्ति को कई वर्षों तक अध्ययन करना पड़ता है और विषय वस्तु पर महारत हासिल करनी होती है। इसके बाद, उसे कक्षा में शिक्षण कौशल को तेज करने के लिए शिक्षण में प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है।

- **स्वायत्तता की एक उच्च डिग्री:** शिक्षण पेशे में पाठ्यक्रम विकास, एक वर्ष की योजना गतिविधियों, निर्देशात्मक उद्देश्यों की पहचान करने, शिक्षण की विधि पर निर्णय लेने, मीडिया के उपयोग पर निर्णय लेने, मूल्यांकन मानदंडों की पहचान करने से लेकर उच्च स्तर की स्वायत्तता है। उचित मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करना।

- **स्व-संगठन:** यह इस अर्थ में स्व-संगठित है कि शिक्षण पेशे में लगे कर्मचारी विकास और विकास के प्रति संवेदनशील होते हैं। वे शिक्षण पेशे के मानकों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए एक निश्चित तंत्र विकसित करते हैं।

- **प्रौद्योगिकी के साथ समृद्ध:** आज प्रौद्योगिकी के युग में, एक शिक्षक को प्रौद्योगिकी के बारे में और इसे शिक्षा के साथ कैसे शामिल किया जाए, इसका भरपूर ज्ञान होना चाहिए।

- **सामान्य आचार संहिता:** पूरे विश्व में, शिक्षण पेशे में एक समान आचार संहिता है।

- **सेवाकालीन वृद्धि :** शिक्षण व्यवसाय में शिक्षक शिक्षण के सभी स्तरों पर सीख रहा है। यह सेवा के दौरान सेमिनार, कार्यशालाओं, शिक्षक विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से

एक शिक्षक के विकास के साथ-साथ पेशे में नए ज्ञान का सृजन और योगदान करके शिक्षा प्रणाली के विकास की ओर जाता है। सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा में योग्यता निर्माण के लिए अभिविन्यास और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम उपकरण हैं।

- **एक समाज सेवा के रूप में कार्य करता है:** एक समाज सेवा के रूप में शिक्षण। यह आमतौर पर स्वीकार किया गया है कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र में परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली उपकरण है। शिक्षा से ही समाज का विकास होता है।

सक्षम शिक्षकों के गुण

- वे अद्वितीय शैक्षिक और जीवन के अनुभव पैदा करते हैं।
- वे पेशेवर ज्ञान और कौशल विकसित करते हैं।
- वे आश्वस्त हैं, फिर भी वे जानते हैं कि वे क्या नहीं जानते हैं।
- पढ़ाए जा रहे विषयों के बारे में शिक्षक के ज्ञान को समृद्ध करें।
- पेशे के लिए नया ज्ञान उत्पन्न और योगदान करें।

निष्कर्ष

व्यवसायीकरण पढ़ाए जा रहे विषयों के बारे में शिक्षक के ज्ञान को समृद्ध करने, कक्षा में शिक्षण कौशल को तेज करने और पेशे के लिए नए ज्ञान का सृजन और योगदान करने के लिए आवश्यक है। शिक्षकों को वैश्विक दृष्टिकोण के लिए छात्रों को ज्ञान का संचार करने के ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के साथ सक्षम किया जाना चाहिए। शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान और उन्नति को सक्षम प्रथाओं द्वारा जोड़ा जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
- https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf
- https: //www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/npe.pdf
- _ download?doi=10.1.1.685.7161&rep=rep1&type=pdf
- https://ncte.gov.in/website/index.aspx
- https://www.ugc.ac.in/e-book/GURU%20DAKSHTA%20English.pdf

DVSIJMR
ISSN NO 2454-7522